

بیاض قلندری

نقوش عظیمہ و خزینہ طلسمات

حصہ دوم

بحر باب اور عظیم نقوش کا خزانہ

مرتبہ و مولفہ: فیصل حمید قلندری

Free Amliyaat Books PDF

پیشکش: سعد الرحمن

بیاض قلندر کی
لقوش عظیم و خفیت طلسمات

محبت اور عظیم لقوش کا فن
(محرر)

نہر مولدہ
شیر علی محمد قلندر

بفضل کتابی اس کتاب میں لقوش علیات اور
طلسمات طوفان و غیرہ کے جو اور کسی کتاب
میں ملنا مشکل ہیں (اقلی) کہی ہے۔ شمار
ذاتی استخراج شدہ محبت اور محبت علیات
و لقوش اور طلسمات میں ہے۔
انتخاب

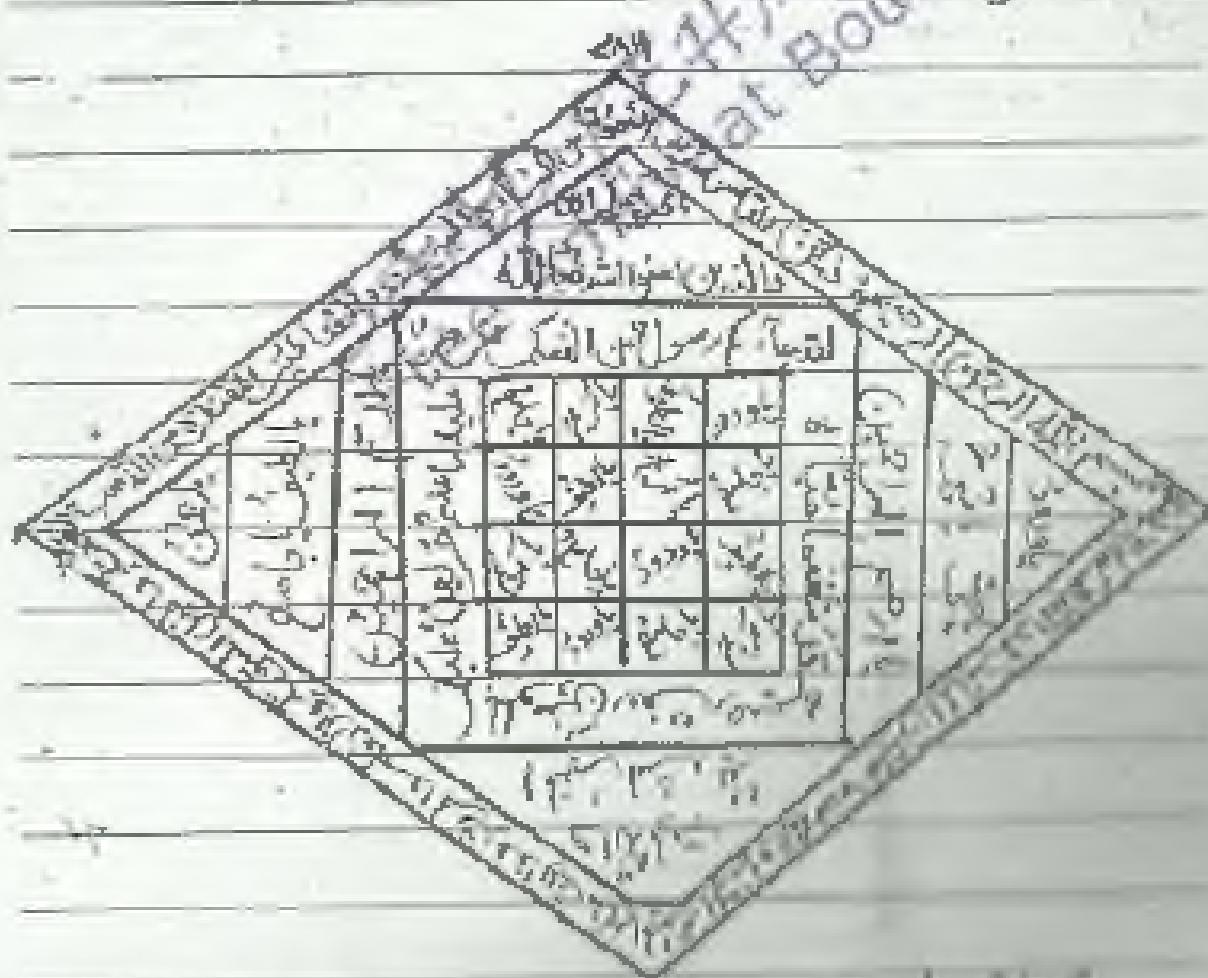
SAAD REHMAN

Free Amliyaat Books

محبت میں کامیابی

Name: No. _____
 Date: _____

ہمیں محبت کے حصول اور کامیابی کے لیے اس تعویذ کو اپنے
 پاس سادے دھاری رکھیں اور روزانہ اس نقش کو پڑھیں کہ سادے دھاری
 نماز میں اللہ تبارک تعالیٰ سے پیاری کی دعا مانگیں (ساقیوں کی)
 اور پھر عینی اس نقش معقم کو ایک گلاس پانی میں ڈال دیں اور
 جس سے پانی اب پیار کر لیں (پیار کرنا چاہتے ہیں) کئی بھی
 ملک اس کو پانی میں ڈال کر پانی بھی (جس سے پانی پلا دیں)
 انشاء اللہ تعالیٰ (پانی) اب کا مقدر ہوگا
 نقش کرنا چاہتے ہیں



کہ غم دل سے ہٹا دے فلاں فلاں محبت جلاں جلاں

(۱) ضرورت گاہکیت
ہر ایک مہربانی اس کتاب کو
نایابوں اور شریف قلم نگاروں سے محفوظ رکھیں
میں میں دعا ہے کہ ان کا کمال کی عقل کو ہر علم ہر ہنر
کیونکہ یہ علماء علم الہیات کی روح اور نور ہیں
ان کے بغیر اس کتاب کا سوال بے حجت ہوگا

دعا ہے کہ اس کتاب کے کسی حصہ
کو اس سوال کے ذریعہ محترم محمد سید
خلدزی اور میرے فیصلہ طلب کنندہ کی
دستبرداری کی دعا ہو کہ ان کے دل میں
برکت اور ایمان ملدے کہ ان کی دعا میں
ہر دعا کی درخواست کی ہے اور اس کتاب
کے اس سوال کے شرف ہیں

اللہ تعالیٰ آپ کو اپنے چاہنے والوں میں
کامیابی عطا فرمائے

آمین

[illegible]

استخراج المصل من الدم

[illegible]

مجلس القضاء الاعلى

[illegible]

گھر سے پریشانی اور تھکن سے ختم کرنے اور خوشگوار افروزی دینا کا ایک
 معمولی سا طریقہ ہے۔ (نفس) کے نام سے کہیں کہیں خاوند فطرت سے ملنے سے
 اور اپنے بیوی سے تراویک کو کھانے کی دھندہ اونچے صورت کو گیت سے
 خیال دہشت میں ایسی صورت میں ہے بیوی کم از کم ہمارے اس (نفس) کو اپنے
 اس رکتہ اندر کم سارے دھندہ اس (نفس) کو اپنے دھندہ میں کہہ (اول دن)
 (اس (نفس) کے نام سے کہیں کہیں قرآن پاک کے اندر کہہ دھندہ انشاء اللہ تعالیٰ
 دھندہ میں بیوی سے کہیں کہیں دھندہ میں کہیں کہیں دھندہ میں کہیں کہیں

102/101

[illegible]

عمل پندنگ گلشن ابرنگ

Number _____
 Date _____

اگر کسی در دنیا یا آخرت کسی کو پسند کند که در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت
 در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد
 و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد
 و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد
 و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد و در دنیا و آخرت با او بیجا نباشد

بحسب الله الرحمن الرحيم

لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير	لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير	لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير
لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير	لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير	لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير
لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير	لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير	لا اله الا الله لا شريك له له الملك وله الحمد وهو على كل شيء قدير

□ □ □

عَلَّامٌ غُيُوبٍ

[illegible]

بسم الله الرحمن الرحيم

۳۰۰ نفری در آنجا با هم صحبت و نظر در علم ابرویا را میجویند و آنرا (مجموعه) میگویند و تالو جو

١٠٠
 ١٠١
 ١٠٢
 ١٠٣
 ١٠٤
 ١٠٥
 ١٠٦
 ١٠٧
 ١٠٨
 ١٠٩
 ١١٠
 ١١١
 ١١٢
 ١١٣
 ١١٤
 ١١٥
 ١١٦
 ١١٧
 ١١٨
 ١١٩
 ١٢٠
 ١٢١
 ١٢٢
 ١٢٣
 ١٢٤
 ١٢٥
 ١٢٦
 ١٢٧
 ١٢٨
 ١٢٩
 ١٣٠
 ١٣١
 ١٣٢
 ١٣٣
 ١٣٤
 ١٣٥
 ١٣٦
 ١٣٧
 ١٣٨
 ١٣٩
 ١٤٠
 ١٤١
 ١٤٢
 ١٤٣
 ١٤٤
 ١٤٥
 ١٤٦
 ١٤٧
 ١٤٨
 ١٤٩
 ١٥٠
 ١٥١
 ١٥٢
 ١٥٣
 ١٥٤
 ١٥٥
 ١٥٦
 ١٥٧
 ١٥٨
 ١٥٩
 ١٦٠
 ١٦١
 ١٦٢
 ١٦٣
 ١٦٤
 ١٦٥
 ١٦٦
 ١٦٧
 ١٦٨
 ١٦٩
 ١٧٠
 ١٧١
 ١٧٢
 ١٧٣
 ١٧٤
 ١٧٥
 ١٧٦
 ١٧٧
 ١٧٨
 ١٧٩
 ١٨٠
 ١٨١
 ١٨٢
 ١٨٣
 ١٨٤
 ١٨٥
 ١٨٦
 ١٨٧
 ١٨٨
 ١٨٩
 ١٩٠
 ١٩١
 ١٩٢
 ١٩٣
 ١٩٤
 ١٩٥
 ١٩٦
 ١٩٧
 ١٩٨
 ١٩٩
 ٢٠٠
 ٢٠١
 ٢٠٢
 ٢٠٣
 ٢٠٤
 ٢٠٥
 ٢٠٦
 ٢٠٧
 ٢٠٨
 ٢٠٩
 ٢١٠
 ٢١١
 ٢١٢
 ٢١٣
 ٢١٤
 ٢١٥
 ٢١٦
 ٢١٧
 ٢١٨
 ٢١٩
 ٢٢٠
 ٢٢١
 ٢٢٢
 ٢٢٣
 ٢٢٤
 ٢٢٥
 ٢٢٦
 ٢٢٧
 ٢٢٨
 ٢٢٩
 ٢٣٠
 ٢٣١
 ٢٣٢
 ٢٣٣
 ٢٣٤
 ٢٣٥
 ٢٣٦
 ٢٣٧
 ٢٣٨
 ٢٣٩
 ٢٤٠
 ٢٤١
 ٢٤٢
 ٢٤٣
 ٢٤٤
 ٢٤٥
 ٢٤٦
 ٢٤٧
 ٢٤٨
 ٢٤٩
 ٢٥٠
 ٢٥١
 ٢٥٢
 ٢٥٣
 ٢٥٤
 ٢٥٥
 ٢٥٦
 ٢٥٧
 ٢٥٨
 ٢٥٩
 ٢٦٠
 ٢٦١
 ٢٦٢
 ٢٦٣
 ٢٦٤
 ٢٦٥
 ٢٦٦
 ٢٦٧
 ٢٦٨
 ٢٦٩
 ٢٧٠
 ٢٧١
 ٢٧٢
 ٢٧٣
 ٢٧٤
 ٢٧٥
 ٢٧٦
 ٢٧٧
 ٢٧٨
 ٢٧٩
 ٢٨٠
 ٢٨١
 ٢٨٢
 ٢٨٣
 ٢٨٤
 ٢٨٥
 ٢٨٦
 ٢٨٧
 ٢٨٨
 ٢٨٩
 ٢٩٠
 ٢٩١
 ٢٩٢
 ٢٩٣
 ٢٩٤
 ٢٩٥
 ٢٩٦
 ٢٩٧
 ٢٩٨
 ٢٩٩
 ٣٠٠
 ٣٠١
 ٣٠٢
 ٣٠٣
 ٣٠٤
 ٣٠٥
 ٣٠٦
 ٣٠٧
 ٣٠٨
 ٣٠٩
 ٣١٠
 ٣١١
 ٣١٢
 ٣١٣
 ٣١٤
 ٣١٥
 ٣١٦
 ٣١٧
 ٣١٨
 ٣١٩
 ٣٢٠
 ٣٢١
 ٣٢٢
 ٣٢٣
 ٣٢٤
 ٣٢٥
 ٣٢٦
 ٣٢٧
 ٣٢٨
 ٣٢٩
 ٣٣٠
 ٣٣١
 ٣٣٢
 ٣٣٣
 ٣٣٤
 ٣٣٥
 ٣٣٦
 ٣٣٧
 ٣٣٨
 ٣٣٩
 ٣٤٠
 ٣٤١
 ٣٤٢
 ٣٤٣
 ٣٤٤
 ٣٤٥
 ٣٤٦
 ٣٤٧
 ٣٤٨
 ٣٤٩
 ٣٥٠
 ٣٥١
 ٣٥٢
 ٣٥٣
 ٣٥٤
 ٣٥٥
 ٣٥٦
 ٣٥٧
 ٣٥٨
 ٣٥٩
 ٣٦٠
 ٣٦١
 ٣٦٢
 ٣٦٣
 ٣٦٤
 ٣٦٥
 ٣٦٦
 ٣٦٧
 ٣٦٨
 ٣٦٩
 ٣٧٠
 ٣٧١
 ٣٧٢
 ٣٧٣
 ٣٧٤
 ٣٧٥
 ٣٧٦
 ٣٧٧
 ٣٧٨
 ٣٧٩
 ٣٨٠
 ٣٨١
 ٣٨٢
 ٣٨٣
 ٣٨٤
 ٣٨٥
 ٣٨٦
 ٣٨٧
 ٣٨٨
 ٣٨٩
 ٣٩٠
 ٣٩١
 ٣٩٢
 ٣٩٣
 ٣٩٤
 ٣٩٥
 ٣٩٦
 ٣٩٧
 ٣٩٨
 ٣٩٩
 ٤٠٠
 ٤٠١
 ٤٠٢
 ٤٠٣
 ٤٠٤
 ٤٠٥
 ٤٠٦
 ٤٠٧
 ٤٠٨
 ٤٠٩
 ٤١٠
 ٤١١
 ٤١٢
 ٤١٣
 ٤١٤
 ٤١٥
 ٤١٦
 ٤١٧
 ٤١٨
 ٤١٩
 ٤٢٠
 ٤٢١
 ٤٢٢
 ٤٢٣
 ٤٢٤
 ٤٢٥
 ٤٢٦
 ٤٢٧
 ٤٢٨
 ٤٢٩
 ٤٣٠
 ٤٣١
 ٤٣٢
 ٤٣٣
 ٤٣٤
 ٤٣٥
 ٤٣٦
 ٤٣٧
 ٤٣٨
 ٤٣٩
 ٤٤٠
 ٤٤١
 ٤٤٢
 ٤٤٣
 ٤٤٤
 ٤٤٥
 ٤٤٦
 ٤٤٧
 ٤٤٨
 ٤٤٩
 ٤٥٠
 ٤٥١
 ٤٥٢
 ٤٥٣
 ٤٥٤
 ٤٥٥
 ٤٥٦
 ٤٥٧
 ٤٥٨
 ٤٥٩
 ٤٦٠
 ٤٦١
 ٤٦٢
 ٤٦٣
 ٤٦٤
 ٤٦٥
 ٤٦٦
 ٤٦٧
 ٤٦٨
 ٤٦٩
 ٤٧٠
 ٤٧١

مرشدی علی بن ابی طالب علیه السلام و علی بن ابی طالب علیه السلام

عمر بن الخطاب رضي الله عنه

الحمد لله الذي جعل في كل شيء حكمة

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

[Faint handwritten notes and a large diagonal strike-through mark across the page.]

[illegible]

1847

[illegible][illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1. *Chlorophyll a* (Chl *a*)

علیٰ نقویہ الدہلی

استرلاند

[illegible]

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

[illegible]

[illegible]

حل المسائل

پہلے روز سے سید علی محمد نے دل لگایا۔ سپر ۱۰۰۱

کے لیے بہت بڑا موقع ہے کہ جو عربی علم ہے

5-2-1, 2-1, 2-1, 2-1

[illegible]

تسورق تسورق

[illegible][illegible]

العدد

1	12	5	20
5	11	10	9
1	2	3	4
1	1	1	1

العدد

فنون حفاظت سرخاوی

Memo No

Date

سرخاوی خن آنسپ نظر بدیست حفاظت اور دنیا میں کھجوا لی اور مرقی کھجی
 ہنر تک یہ اس فن میں دنیا کے عرب البتہ مرقی کا ف صورت مرقی درود شغلات
 اس فن میں مرقی علم السور کے ایدر مشعل میں مرقی میں البتہ یا علم و ہر مرقی
 گبر کھجوا ہر مرقی کہ امر لکھا میں عرب البر فنست یہ

سرخاوی خن آنسپ نظر بدیست حفاظت اور دنیا میں کھجوا لی اور مرقی کھجی

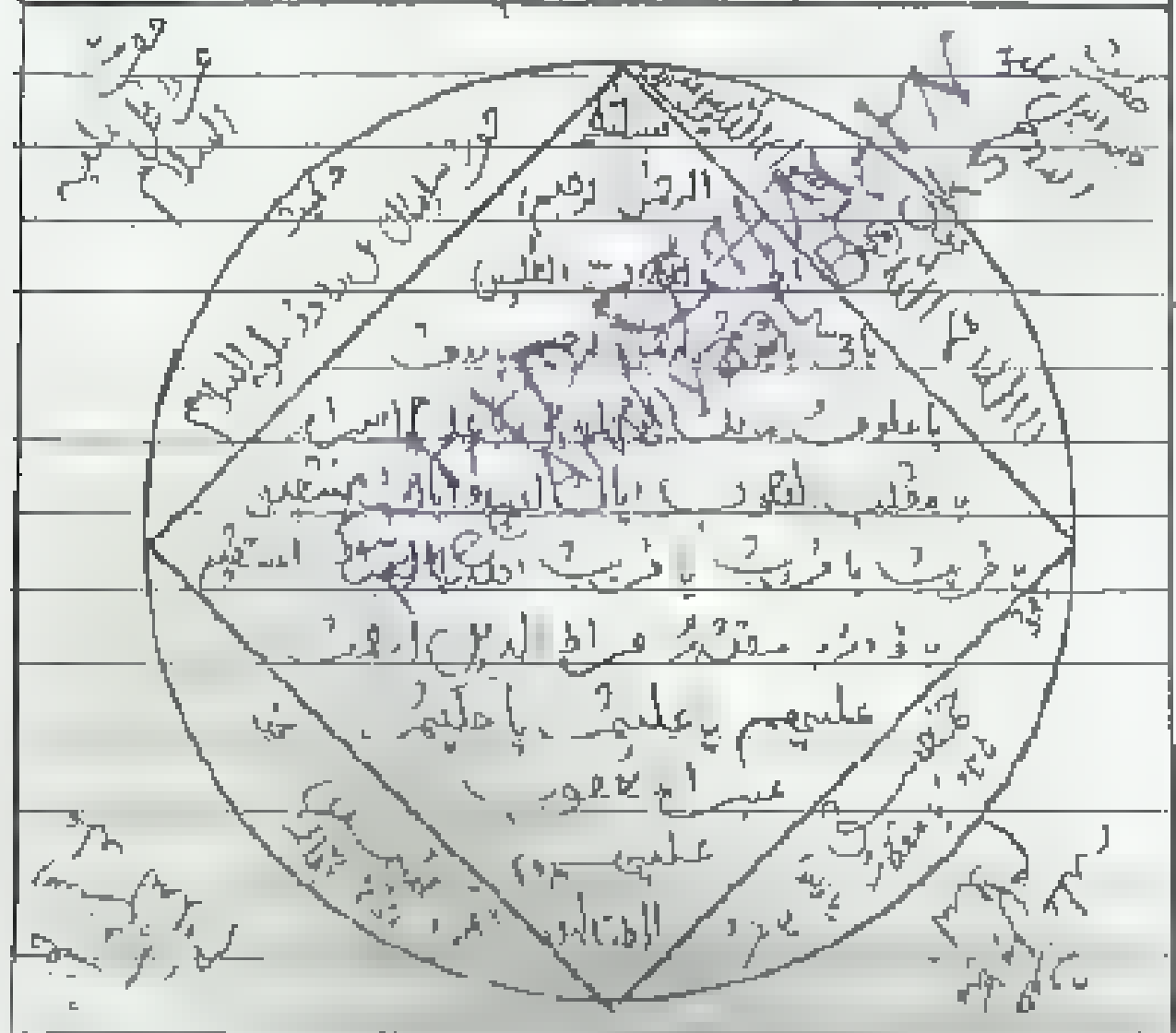
36058	36059	36060	36061
17116	1557	7119	1558
19153	17556	17559	19166
36062	36063	36064	36065
17118	1559	17120	156
13155	13156	13157	13158
36066	36067	36068	36069
17121	1561	17123	1562
13159	13160	13161	13162
36070	36071	36072	36073
17124	1563	17126	1564
13163	13164	13165	13166
36074	36075	36076	36077
17127	1565	17129	1566
13167	13168	13169	13170
36078	36079	36080	36081
17130	1567	17132	1568
13171	13172	13173	13174
36082	36083	36084	36085
17133	1569	17135	1570
13175	13176	13177	13178
36086	36087	36088	36089
17136	1571	17138	1572
13179	13180	13181	13182
36090	36091	36092	36093
17139	1573	17141	1574
13183	13184	13185	13186
36094	36095	36096	36097
17142	1575	17144	1576
13187	13188	13189	13190

سرخاوی خن آنسپ نظر بدیست حفاظت اور دنیا میں کھجوا لی اور مرقی کھجی

عملی حصول حاجات

ہر قسم کی دینی امور کو جیسا کہ یا دعائی حاجات کے حصول کے لیے ہر قسم اور ہر
اندھ کو عملی اور عقلی یا کتب کے اور عقول و دل سے ہر قسم نقش و کلام
دیکھ کر افضل خدا پر حاجات کے حصول کے لیے ہر قسم اور ہر قسم

بسم اللہ الرحمن الرحیم



مجلس

۱۰۱. هر چه در وقت محنت شدی پادشاه و پادشاه

مولا! پیوستہ ایلی مجرب اور اعلیٰ عمل اس تصویر کے

المعتمد بالله

مفتی: یہ ہے کہ وہ انہیں کوڑے سے ہیں مستحضر ہیں۔

قسم الشؤون العامة

بسم الله الرحمن الرحيم

١٠٠٠

[illegible][illegible][illegible]

على النجف ص ١٢١

[illegible]

انجمن علمی

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

[illegible]

عمل جدول محبت گوی

Roll No _____
 Date _____

اے میں نے خدا کو کھنڈ کر دیا ہے۔ چاہتا ہوں کہ میرا دل بھی اس کی مانند ہو جائے۔
 جس طرح کہ پلاٹکے پر لکھا ہے: اے خدا! میں نے تجھ کو فراموش کر دیا ہے۔
 یہ کہ بڑا گریب الہی ہے۔
 سبحان اللہ الرحمن الرحیم

۱۰۰ ۹۰ ۸۰ ۷۰ ۶۰ ۵۰ ۴۰ ۳۰ ۲۰ ۱۰ ۰

سیرۃ الرحمن الرحیم۔ والے ہیں مگر ہم لدا لگتے ماں الارض

عمل محبت	بین	محبت	والقبت
۱	۹۶	۹۴	۸
۲	۹۵	۹۳	۹۶
۳	۹۲	۹۱	۹۹
۴	۹۸	۹۷	۹۳

۰ ۱۰ ۲۰ ۳۰ ۴۰ ۵۰ ۶۰ ۷۰ ۸۰ ۹۰ ۱۰۰

۱۰۰ ۹۰ ۸۰ ۷۰ ۶۰ ۵۰ ۴۰ ۳۰ ۲۰ ۱۰ ۰

سیرۃ الرحمن الرحیم۔ والے ہیں مگر ہم لدا لگتے ماں الارض

۱۰۰ ۹۰ ۸۰ ۷۰ ۶۰ ۵۰ ۴۰ ۳۰ ۲۰ ۱۰ ۰

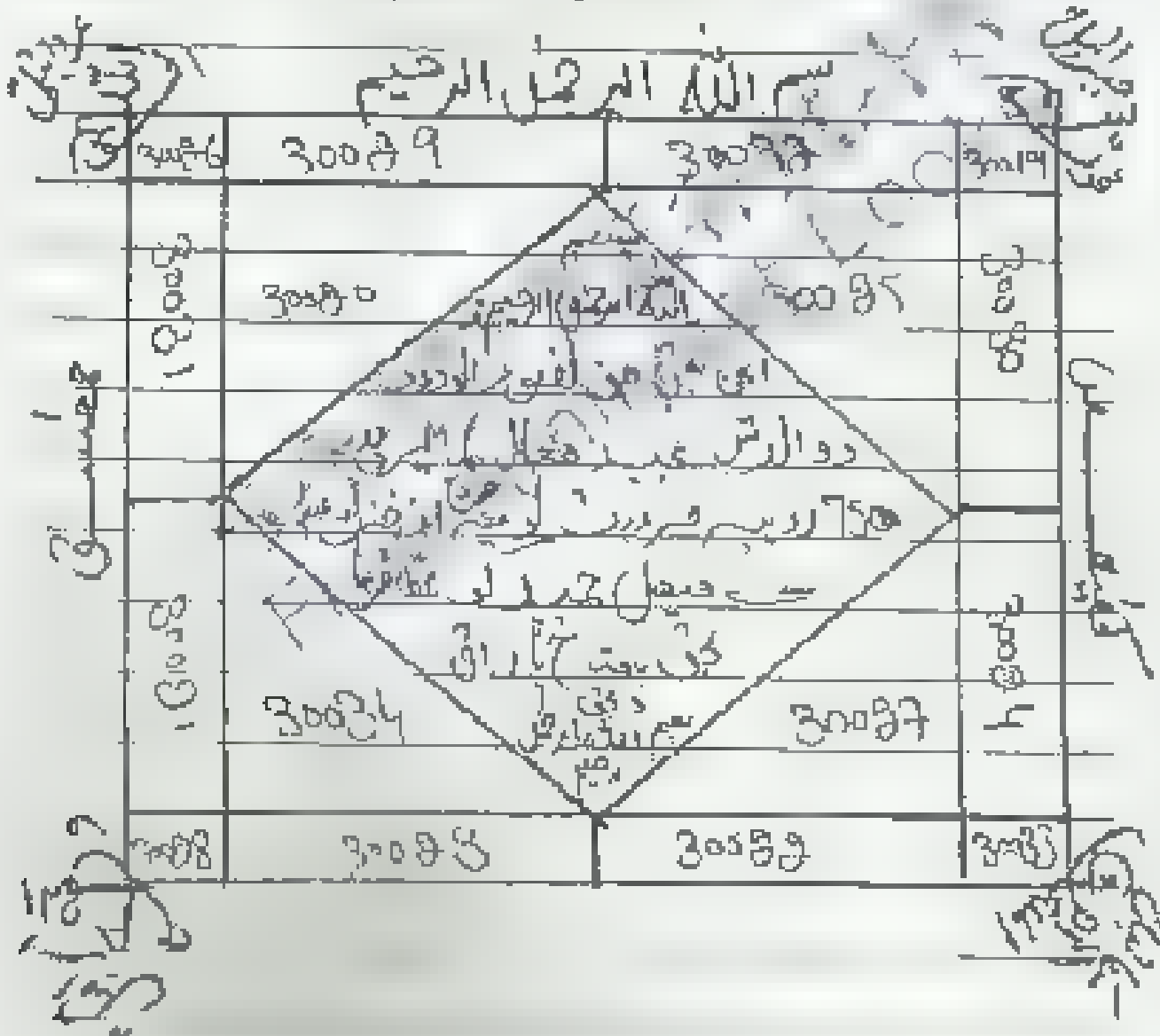
عمل حفاظت از امراض

دل کی دھڑکن ہمارے دل کو پریشان کر کے رکھتی ہے۔ یہاں تک کہ جب یہ لہجہ ایک ایسے
میرا درخت اور ایک پتھر کی طرح ہو جاتا ہے جس میں دل کی ہر ضرب سے ایک نیا
پتھر بنتا ہے۔ یہی وہ چیز ہے جو انسان کو ایک حقیقی انسان بناتی ہے۔



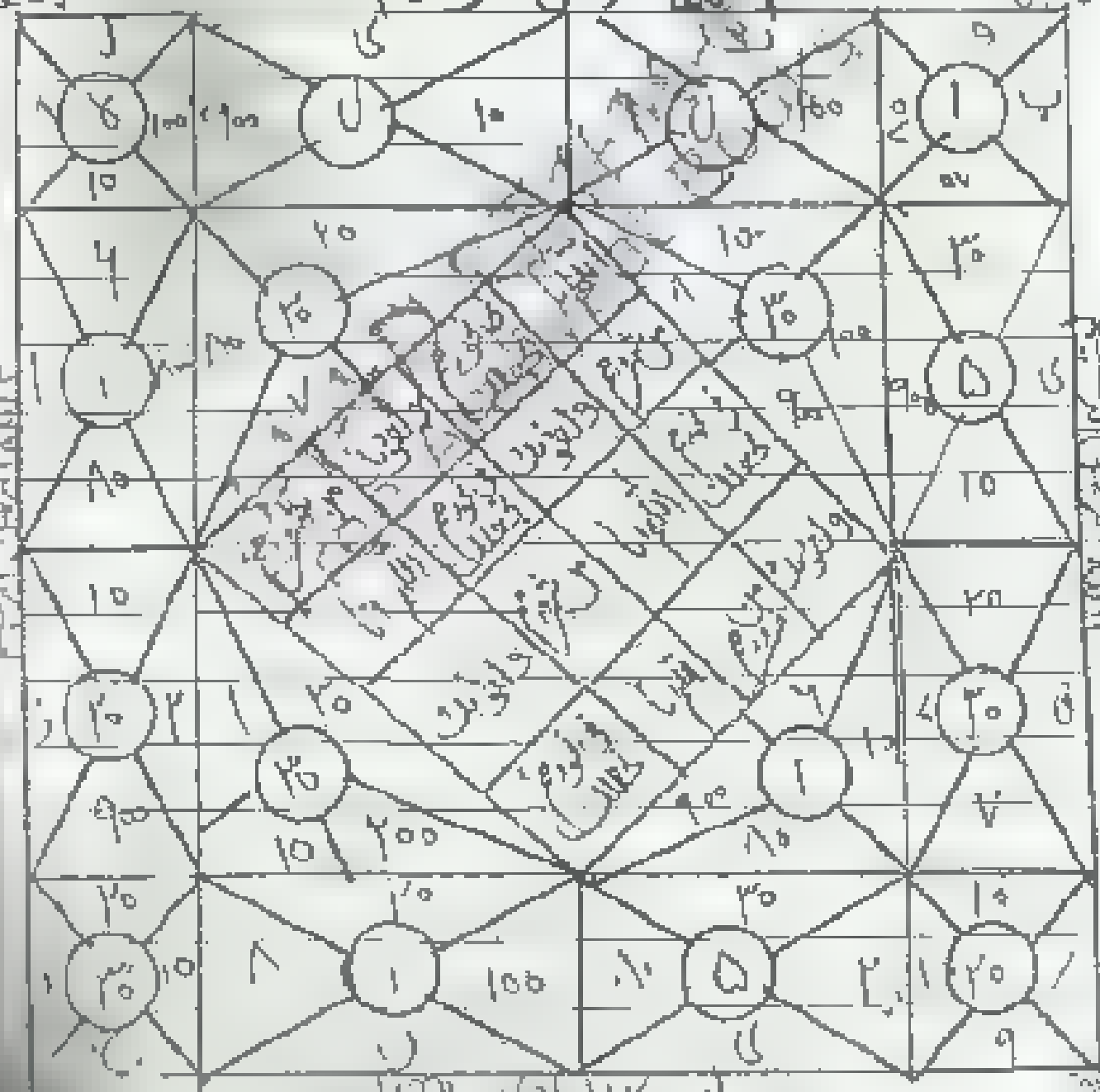
عمل درست غیب

اس نقش کو مشق و رزق کے لیے پڑھیں اور اس کے پڑھنے سے جو
 بوجھ و غم ہٹ جائے گا وہ بوجھ ہٹ جائے گا اور اس کے پڑھنے سے جو
 چاند لگا کر دے گا وہ چاند لگا کر دے گا اور اس کے پڑھنے سے جو
 کھانا ملے گا وہ کھانا ملے گا اور اس کے پڑھنے سے جو
 کھانا ملے گا وہ کھانا ملے گا اور اس کے پڑھنے سے جو



عمل دفع دشمنان حسین

پرفتن در جمع اعدای عالم و قاصد و شریک در حفاظت واجب اسیران
 پاس رکعت و دشمنان سے نجات ملے گی ہر شریک عالم و جاہل
 حفاظت در میان مکان و مکان و غیرت و لڑائی و غیرت و پرفتن و
 مؤثر کہ جو ہم سے باخ است برائی، اللہ و کبریا و جلال
 و عباد اللہ انا للہ وانا الیہ راجعون یا علی: یا علی اور جبرائیل
 یا علی و اللہ الرحمن الرحیم



1. مستحق قتل ہے (بشموع حاجات)
2. یہ علی قرآن مجید زمانہ جدید میں موجود ہے آیت اللہ الطیف کا بیٹہ قرآن مجید میں نہیں ہے بلکہ چار آیت اللہ ہیں
3. لا تدركه الا بعدة وهو يدرك الاولاد وهو الطيف الطيف
4. انزلني لطيف لما يشاء الله هو العظيم الحكيم (سورة النجم)
5. الله لطيف بعباده يرزق من يشاء وهو العلي (الغدير)
6. لا العلم من ملق وهو الطيف الطيف (سورة ملك)

آیت نمبر ۱
دشمن و ظالم کے خوف سے فی ان کے لیے

آیت نمبر ۲
شروع رنج و الم اور پھر تالی کے ذریعے ہے

آیت نمبر ۳
کشت مال رزقی عیول دولت مغفوس و مفرور اور اس کے لیے جس کے گھر میں فخر و برا و کعبہ ڈال رکھا ہو اس کے لیے اکثری و محراب ہے

آیت نمبر ۴
عیول مراد برقی شعب و عیدہ عیول ملازمت کے واسطے محراب ہے

۱- مشعل شوق

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

وَأَمَّا الْبُيُوتُ فَكَانَتْ بِهَدْيِهِ

Handwritten notes and a 4x4 grid of numbers. The grid contains the following numbers (row by row, left to right):

141	874	605	330
454	146	388	508
375	988	642	138
424	597	453	379
221	528	175	597
787	579	196	241
922	590	941	139
650	640	988	402
176	138	983	577
973	138	983	426

Handwritten notes around the grid include:

- Top left: "البرق"
- Top right: "البرق"
- Bottom left: "البرق"
- Bottom right: "البرق"
- Left side: "البرق"
- Right side: "البرق"
- Bottom: "البرق"

عمل منسوخ و لغت

Memo No.

Date

یہ عمل منسوخ و لغت کے تحت کیا گیا ہے۔ اس کی تصدیق کے لئے مندرجہ ذیل کے مخالف ممبروں کی دستخطات کیے گئے ہیں۔
 1۔ منسوخ و لغت کے تحت کیا گیا ہے۔ اس کی تصدیق کے لئے مندرجہ ذیل کے مخالف ممبروں کی دستخطات کیے گئے ہیں۔
 2۔ منسوخ و لغت کے تحت کیا گیا ہے۔ اس کی تصدیق کے لئے مندرجہ ذیل کے مخالف ممبروں کی دستخطات کیے گئے ہیں۔

کل اعداد و صورت = 684 - 30 ÷ 4 =

1۔ اعداد و صورت کی تعداد = 5859 - 30 ÷ 4 =

2۔ اعداد و صورت کی تعداد = 8311 - 30 ÷ 4 =

3۔ اعداد و صورت کی تعداد = 18893 - 30 ÷ 4 =

4۔ اعداد و صورت کی تعداد = 66075 - 30 ÷ 4 =

875197

810

- 876007

30

- 875977

41

- 875936

- 875936

- 875936

- 875936

- 875936

- 875936

- 875936

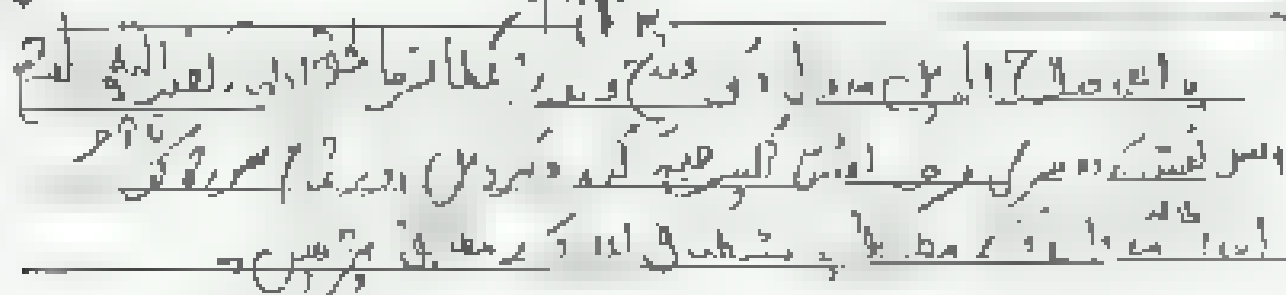
- 875936

- 875936

- 875936

- 875936

عمل منسوخ و لغت



لِخَفَاةِ إِيْمَانِهِ وَبُحْبُوحِ الْإِلَهِيَّةِ

اس نفل کا حاصل محض اللہ رب العزت سے کہرا اور حفا ظنت سے
ذیہ اشتہار اور عام و خاص میں مقبول اور قبول العمل ہوگا
دعوت الی محبت اور شفقت سے ہیں آئیں اور ہر شخص کو نصرت
کرنے کے عمل مبارک پر ہیں۔

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

[illegible]

عمل حصول طالب بین کار

اگر نقش بیادک کا حامل جو سوگنا اُس کو بیادک میں نشان
کار حاصل سوگنا یہ عمل اسرار الخالق میں ہے۔ انشا اللہ عامل
نقش سے تمام اسرار و معانی میں کامیابی اور طالب تمام کا
حصول ہے۔ اور عظیم نقش ہے۔

بسم اللہ الرحمن الرحیم

۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹	۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳	۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷	۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱	۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵	۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹	۱۰۰
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

ترکیب عمل

س (نقش مکتوب) کو ایک درخت کے آگے سر کا رخ کر کے
و د جیسے پڑھ کر دیکھو یا پھر سو بار پڑھ کر دیکھو

عبد الرحمان جادو

اگر کسی پر صحر جادو کر دیا گیا ہو اور اس کو دفع کرنے کے لیے یہ عمل بہت محنت اور سہولت لاشعیر بہ لفتش اللہ دیکھیں ایک لفتش اللہ میں ۳ الہی ایک تیل میں اخی، اخی، اخی، اخی، اخی، اخی اور تیل کی مالش کریں حکم خدا (پیشہ) صحر جادو دفع ہوگا۔

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

[illegible][illegible]

(۱) در سوره یس

استاذ في علم النفس

میرفتن بیمار کی بیماریاں شہید ہوتی ہیں۔ اگر بیمار کی بیماریاں شہید ہوتی ہیں تو بیمار کی بیماریاں شہید ہوتی ہیں۔ اگر بیمار کی بیماریاں شہید ہوتی ہیں تو بیمار کی بیماریاں شہید ہوتی ہیں۔

[illegible]

Memo No. _____
Date: 15/11/2015

اگر کسی شخص کے دل میں کسی خاص عورت کی محبت و خواہش بکھر گئی ہو اور اس کے لہجہ کونے پر قہر ہو اور چاہے کہ اس کو صبر آجائے اور اس کے دل میں اس کا خیال نہ آئے تو اس عمل کو جس دن تک حکمتِ اعلیٰ میں اپنی پہچانی پا کہیں ہر حق میں ہو کہ نہ ملے نہ جاوے۔ تو اس کا محبوب اس کے دل سے بھول جائے گا اور کسی یاد دل میں نہ آئے گی۔ عجب عمل ہے۔

بسم الله الرحمن الرحيم

١- ر. ق. ١٠٠ - و. ن. - ر. س. ١٠٠
 ومثل اليوم يهاجك ما يهاجك آدم لم يهاجك
 ونسب ما قد ثبت به لا يهاجك ما لا يهاجك
 قبل فشي ولم يهاجك ما لا يهاجك
 يهاجك فلان بن فلانة لدا ولدا

فلان میں فلاں کی نگار (مطلوب اور اس کی
ماں کا لکین اور کذا اور کذا کی بجائے اپنا مفود
کروں از خود مجرب علی یہ

26

الحفلات (بين شيا)

2/1/81

جو شخص بھی اس نقش کو اپنے پاس رکھے اور روزانہ صبح و شام ان آیات مبارکہ کو
ترجمہ ترجمہ نما کرے اور یہ وقت میں شیطان باوجود کوشش و دشمنی پر غالب نہ رہے اور
ان کی امداد و اضافہ اور مدد و معاونت نہ ہوگی۔

بسم الله الرحمن الرحيم

[illegible]

Free Amthyaen Books PDF

پیشکش : سعد الرحمن